

Total No. of Questions - 10]
(2062)

[Total Pages : 3

9750

M.A. Examination

HISTORY

[Socio-Religious Movements in Medieval India]

Paper-XII (b)

(Semester-IV)

Time : Three Hours]

[Max. Marks : { Regular : 80
Private : 100

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/continuation sheet will be issued.

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

Note: Attempt any *five* questions. All questions carry equal marks.

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Discuss the growth of Shaivism in South India.
दक्षिण भारत में शैव सम्प्रदाय के विकास की चर्चा कीजिए।
2. Give an account of the ideology of Sidha reformers.
सिद्ध सुधारकों की विचारधारा का एक ब्यौरा दीजिए।
3. Discuss the significance of the teachings of Kabir.
कबीर की शिक्षा के महत्त्व की चर्चा कीजिए।
4. Examine the rise of Vaishnavism with special reference to Tulsidas.
तुलसीदास के विशिष्ट संदर्भ में वैष्णववाद के उदय को समझाइए।
5. Discuss the factors leading to the rise of sufism in India.
भारत में सूफीवाद के उदय के लिए उत्तरदायी कारकों की चर्चा कीजिए।
6. Give an account of the philosophy of Suhrawardi Saints.
सुहरावर्दी संतों के दर्शन का एक ब्यौरा दीजिए।
7. Discuss the role of Qalandars in the socio-religious life of medieval India.
मध्यकालीन भारत में सामाजिक-धार्मिक जीवन में कलंदर की भूमिका की चर्चा कीजिए।
8. Discuss the teachings of Guru Nanak Dev.
गुरु नानक देव की शिक्षाओं की चर्चा कीजिए।

9. Discuss the importance of the martyrdom of Guru Tegh Bahadur.

गुरु तेग बहादुर की शहादत के महत्त्व की चर्चा कीजिए।

10. Discuss the interaction between Sufi and Yogic traditions.

सूफी और योग परंपराओं के बीच पारस्परिक संबंधों की चर्चा कीजिए।
